भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 3183**

दिनांक 22 मार्च, 2018 को उत्‍तर के लिए

**बच्चों पर तीव्र सर्वेक्षण के निष्कर्ष**

**3183. श्री देवेंदर गौड टी॰:**

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) यूनीसेफ समर्थित बच्चों पर तीव्र सर्वेक्षण के पूर्ण निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सर्वेक्षण से देश में कुपोषण, लंबाई न बढ़ने, कम वजन, प्रतिरक्षण इत्यादि के बारे में कुछ चौंका देने वाले निष्कर्ष सामने आए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

डॉ. वीरेंद्र कुमार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री

(क) से (ग) : नवंबर 2013 के दौरान यूनिसेफ इंडिया के साथ 29 राज्‍यों में इस मंत्रालय द्वारा बच्‍चों पर त्‍वरित सर्वेक्षण (आरएसओसी) संचालित कराया गया। संकेतक मुख्‍य रूप से 6 साल से कम आयु के बच्‍चों एवं उनकी माताओं की सेहत पर केंद्रित हैं जिसमें बाल विकास, प्रसूति देखरेख आदि जैसे पहलू शामिल है। प्रारंभिक बाल्‍यावस्‍था देखरेख तथा अनुकूल माहौल, पेयजल तक पहुंच तथा शौचालय की सुविधाओं का प्रयोग आदि जैसे पहलुओं को भी सर्वेक्षण में शामिल किया गया। यह सर्वेक्षण आधारभूत सुविधाओं, जागरूकता तथा लक्षित समूहों द्वारा 6 सेवाओं के उपयोग की दृष्‍टि से आईसीडीएस कार्यक्रम का मानचित्रण करता है।

बच्‍चों पर त्‍वरित सर्वेक्षण (आरएसओसी) के प्रमुख निष्‍कर्ष इस प्रकार हैं :

1. पुरुषों की तुलना में महिलाओं की शादी कम उम्र में होती है।
2. भारत में पानी के अच्‍छे स्रोत तक पहुंच 91 प्रतिशत है।
3. तकरीबन 42 प्रतिशत परिवारों ने शौचालय की अच्‍छी सुविधा का उपयोग करने की सूचना प्रदान की।
4. 67 प्रतिशत परिवार आयोडीन युक्‍त नमक का प्रयोग कर रहे थे।
5. समय से पहले विवाहित महिलाओं के अच्‍छे खासे अनुपात में शिक्षा का अभाव।
6. 70 प्रतिशत से अधिक बच्‍चे (3-6 वर्ष) स्‍कूलपूर्व शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।
7. 84 प्रतिशत महिलाओं ने स्‍वास्‍थ्‍य सुविधाओं तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में अपने गर्भधारण का पंजीकरण कराया।
8. 63 प्रतिशत महिलाओं ने 3 या 4 प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) कराई तथा 45 प्रतिशत ने 4 या अधिक एएनसी विजिट की सूचना दी।
9. 71 प्रतिशत महिलाओं को सुरक्षित मातृत्‍व पर राष्‍ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रम की जानकारी थी।
10. बच्‍चों (12-23 माह) का पूर्ण टीकाकरण 65 प्रतिशत था।
11. 39 प्रतिशत बच्‍चे (0-59 माह) ठिगने, 15 प्रतिशत विकास अवरुद्ध तथा 29 प्रतशित अल्‍पवजनी थे।
12. 94 प्रतिशत माताओं को आंगनवाड़ी केंद्रों की 6 सेवाओं में से कम से कम एक की जानकारी थी।
13. 48 प्रतिशत धात्री माताओं, 46 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं, 6-35 माह के 54 प्रतिशत बच्‍चों तथा 48 प्रतिशत बच्‍चों (36-71 माह) ने आंगनवाड़ी केंद्रों से कम से कम एक सेवा प्राप्‍त की।
14. 39 प्रतिशत बच्‍चों (36-71 माह) ने आंगनवाड़ी केंद्र में स्‍कूल पूर्व शिक्षा प्राप्‍त की।
15. समय से पूर्व विवाहित 23 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं को वीएचएनडी की जानकारी थी।

राज्‍य-वार डाटा सहित रिपोर्ट का पूर्ण विवरण [**www.wcd.nic.in/raid-survey-children-rsoc-2013-14**](http://www.wcd.nic.in/raid-survey-children-rsoc-2013-14)पर उपलब्‍ध है।

\*\*\*\*\*